भारत-थाईलैंड संबंध

प्रलिमि्स के लयि:

8वाँ भारत-थाईलैंड रक्षा संवाद, **ASEAN**, **BIMSTEC**, **अभ्यास MAITREE**, अभ्यास SIAM BHARAT, **भारत-थाईलैंड समन्वति गश्त**।

मेन्स के लयि:

भारत-थाईलैंड संबंध।

चर्चा में क्यों?

8वीं भारत-थाईलैंड रक्षा वार्ता का आयोजन बैंकॉक, थाईलैंड में हुआ जसिके दौरान दोनों पक्षों ने अपने द्वपिक्षीय रक्षा सहयोग पर संतोष व्यक्त कयि।

वार्ता के प्रमुख बिंदु:

- इसमें विभिन्न द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पहलों की प्रगति की समीक्षा की गई।
- **रक्षा, समुद्री सुरक्षा और बहुराष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्र में समन्वय** को बढ़ावा देने पर बल दिया गया।
  - थाईलैंड ने भारतीय रक्षा उद्योग की क्षमता में विश्वास व्यक्त किया।
- **इस दौरान सहयोग के उभरते क्षेत्रों और वैश्विक मुद्दों के समाधान की दिशा में उठाए जाने वाले कदमों** को भी स्पष्ट किया गया।

थाईलैंड के साथ भारत के संबंध:

- **राजनयिक संबंध:**
  - थाईलैंड और भारत के बीच **राजनयिक संबंध 1947 से है।**
  - ये संबंध **आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों की नींव पर** निर्मित हैं जो **2000 से अधिक वर्षों से मौजूद हैं।**
  - भारत की **'लुक ईस्ट' नीति** (वर्ष 1993 से) और **थाईलैंड की 'लुक वेस्ट' नीति** (वर्ष 1996 से), जो अब **भारत की 'एक्ट ईस्ट'** और **थाईलैंड की 'एक्ट वेस्ट'** में बदल गई है, आर्थिक एवं वाणिज्यिक संबंधों सहित द्विपक्षीय संबंधों को मज़बूत करने में दृढ़ता से योगदान दे रही हैं।
- **आर्थिक और वाणिज्यिक संबंध:**
  - वर्ष 2019 में द्विपक्षीय व्यापार 12.12 बिलियन अमेरिकी डॉलर का था और महामारी की स्थिति के बावजूद वर्ष 2020 में यह 9.76 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया।
    - वर्ष 2018 में भारत को थाईलैंड द्वारा लगभग 7.60 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया गया था, जबकि थाईलैंड को भारत द्वारा लगभग **4.86 बिलियन अमेरिकी डॉलर** का निर्यात किया गया था।
  - भारत और थाईलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापार **वर्ष 2021-22 में लगभग 15 बिलियन अमेरिकी डॉलर** के सर्वकालिक उच्च स्तर पर

पहुँच गया।
    - आसियान क्षेत्र में सिंगापुर, वियतनाम, इंडोनेशिया और मलेशिया के बाद **थाईलैंड भारत का 5वाँ सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।**
        - वर्तमान में थाई सामानों को आसियान-भारत FTA के तहत **कर कटौती से लाभ हुआ है**, जो जनवरी 2010 में लागू हुआ था।
- **रक्षा सहयोग:**
    - समय के साथ द्विपक्षीय रक्षा संबंधों का विस्तार हुआ है और इसमें रक्षा संवाद बैठकें, सेनाओं के बीच आदान-प्रदान, उच्च-स्तरीय दौरे, क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास शामिल हैं।
    - **रक्षा अभ्यास:**
        - अभ्यास मैत्री (सेना)।
        - सियाम भारत अभ्यास (वायु सेना)।
        - भारत-थाईलैंड समन्वित गश्ती (नौसेना)।
- **कनेक्टिविटी:**
    - वर्ष 2019 में लगभग 1.9 मिलियन भारतीय पर्यटकों ने थाईलैंड का दौरा किया, जबकि लगभग 160,000 थाई पर्यटकों ने मुख्य रूप से **बौद्ध तीर्थ स्थलों** के लिये भारत का दौरा किया।
    - भारत और थाईलैंड बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (BIMSTEC) ढाँचे के लिये बंगाल की खाड़ी पहल के तहत भी क्षेत्रीय संपर्क में सुधार के लिये मिलकर काम कर रहे हैं।
    - बहुप्रतीक्षित भारत-म्याँमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग से पूर्वोत्तर भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के माध्यम से भूमि संपर्क का विस्तार होने की उम्मीद है, जो दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच पहला सीमा पार सुविधा समझौता बन गया है।
- **सांस्कृतिक सहयोग:**
    - भारत और थाईलैंड में भारतीय सांस्कृतिक मंडलों, त्योहारों और कार्यक्रमों के लिये नियमित यात्राओं के साथ एक मज़बूत सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम है।
    - एक भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, जिसे अब **स्वामी विवेकानंद संस्कृति केंद्र** के रूप में जाना जाता है, बैंकॉक में वर्ष 2009 में स्थापित किया गया था।
    - श्री गुरुनानक देव जी की 550वीं जयंती थाईलैंड में भी विभिन्न कार्यक्रमों और बैंकॉक में एक भव्य नगर कीर्तन जुलूस के साथ मनाई गई।
    - भारत के संविधान का थाई भाषा में अनुवाद थाईलैंड में शुरू किया गया था।

आगे की राह

- दोनों देशों को **व्यापार बाधाओं से संबंधित मुद्दों का समाधान करना चाहिये और व्यापार एवं निवेश का विस्तार करने के लिये द्विपक्षीय अनुबंधों** के माध्यम से आयात शुल्क को कम करना चाहिये।
- भारत के स्टार्ट-अप पारितंत्र और थाईलैंड के बीच सहयोग के अवसरों का भी पता लगाया जाना चाहिये।
- दोनों देश एक-दूसरे के बाज़ारों में निवेश कर आपूर्ति शृंखला के अंतराल को कम करने के लिये मिलकर काम कर सकते हैं।
- रक्षा अनुबंधों, सैन्य आदान-प्रदान और संयुक्त अभ्यासों के माध्यम से रणनीतिक एवं सुरक्षा संबंधी सहयोग को मज़बूत करना भी आवश्यक है।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-thailand-relations